वृक्ष दैवी–आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान की भरपाई करते हैं – डॉ. ए. के. रॉय

झाँसी। 30 सितम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज ''कृषिवानिकी आधारित नवीन तकनीकियाँ'' विषय पर तीन दिवसीय कृषक प्रि"ाक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. रॉय, अखिल भारतीय परियोजना समन्वयक–चारा फसल, ग्रासलैण्ड, झाँसी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या एवं घटती हुई जमीन में कृषि अमदनी बढ़ाने हेतु कृषिवानिकी सबसे अच्छा विकल्प है। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि वृक्ष बहुउपयोगी, बहुउद्‌दे"ाीय तथा बहु–कार्यात्मक गुणों के कारण किसान भाईयों को दैवी–आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान की भरपाई करते हैं।

वि"िाष्ट अतिथि श्री भूपे"ा पाल, ए. जी. एम. नाबार्ड, झाँसी ने विविधिकरण पर जोर दिया और बताया कि कृषिवानिकी भी इस विविधिकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके अपनाने से किसानों को पूरे वर्ष आमदनी मिलती रहती है। उन्होंने जैविक खेती, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत तथा केंचुआ खाद के महत्व को द"ार्ाते हुये इसे अपनाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने जानकारी दी कि नाबार्ड द्वारा जनपद झाँसी में 13 जल समेट परियोजना एवं 4 जलवायु प्रूफिंग परियोजना वर्तमान में कार्यान्वित है। उन्होंने कहा कि मिट्‌टी पानी हवा भगवान की देन है, इनकों कोई नहीं बना सकता, अतः यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों से छेड़खानी न करें।

संस्थान के निदे"ाक महोदय डॉ. ए. अरूणाचलम ने किसानों को प्रोत्साहित किया और उन्होंने बताया कि अगर भविष्य में किसानों को किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत हो तो संस्थान हमे"ाा उनकी सहायता में तत्पर रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कृषिवानिकी से केवल किसानों की आय ही दुगनी नहीं होगी अपितु इसके कई अनेक लाभ भी है इसलिए कृषक भाईयों को फसलों के साथ पेड़ भी लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा दे"ा सीमा पर जवानों के कारण सुरक्षित है, उसी तरह हमारे दे"ा का पोषण अन्यदाता (कृषक) द्वारा सुरक्षित है। उन्होंने कृषि और ऋषि को एक–दूसरे का पूरक बताया।

समापन कार्यक्रम में मंचासीन मुख्य अतिथियों के कर कमलों द्वारा प्रि"ाक्षण लेने वाले 25 किसानों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये।

कार्यक्रम के दौरान कुछ प्रि"ाक्षु कृषक श्री जयनारायण एवं श्री राम बहादुर ने भी अपनी प्रतिक्रियाँ दी और उन्होंने इस बात को माना कि जैसे खेत में किसान की जरूरत है उसी प्रकार हर खेत में मेड़ तथा मेड़ पर पेड़ की जरूरत है।

सृजन सोसायटी (वित्त पोषित नाबार्ड), कानपुर के प्रतिनिधि श्री रजनी"ा चतुर्वेदी ने कृषिवानिकी प्रि"ाक्षण से होने वाले लाभ तथा दे"ाी गाय (कामधेनू) को किसानों तथा जैविक खेती के लिए वरदान रूप में विस्तृत विचार सांझा किये।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से की गयी तथा प्रि"ाक्षण कार्यक्रम निदे"ाक डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित प्रि"ाक्षणार्थियों एवं संस्थान के स्टॉफ का स्वागत किया। डॉ. सु"ाील कुमार यादव ने प्रि"ाक्षण कार्यक्रम की विस्तृत आख्या प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।